F.No.13-11/2023-AR
Government of India
Ministry of Education
Department of Higher Education
(AR Section)

New Delhi, dated: April 27th, 2023.

OFFICE MEMORANDUM

Sub: Various initiatives and Reforms in Health Sector in the last 8 years- Ref. from Ministry of Health and Family Welfare-reg.

The undersigned is directed to enclose herewith a copy of D.O No. A-11014/18/2023-SNA dated 14.03.2023 of Dr. Mansukh Madaviya, Hon'ble Minister of Health & Family Welfare along with a booklet of achievements consisting various initiatives and reforms in Health Sector undertaken in the last 8 years.

2. In order to appraise health sector initiatives and achievements in country to disseminate and utilize the same for information of general public for its optimal utilization, it is requested to give wide publicity of the aforementioned Booklet to all the Educational Institutions/Organizations under your purview.

Encl: As above.

(Lakshmi Chandra)
Under Secretary (AR)

To,

All the Bureau Heads & Divisional Heads in D/o Higher Education.

13-11/2023-AR
1217070/2023/EM Office

G20 भारत 2023 INDIA

डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

Sinh 23/3/23
Secy. (HE)
Secy. (SE&L)

D.O. No.A-11014/18/2023-SNA
Dated, the; 14th March, 2023

Dear Colleague,

You may be aware, under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister, various initiatives and reforms in Health Sector in our country have been under taken in the last 8 years. As a result, our country has seen significant improvement in Health Sector primarily in the areas like, Medical Education, National Health Mission, Ayushman Bharat, Disease Elimination, up-gradation of infrastructure in Central Government Hospitals, besides combating Covid-19 Pandemic successfully. All these achievements have been compiled in a booklet. I am pleased to share the same with you.

I do hope and believe that this booklet would be useful in apprising you on health sector initiatives and achievements in the country at large. This will help you in disseminating and utilizing the same for information of general public of your constituency and other areas of the country for its optimal utilization by them in their healthcare.

I would appreciate if you could utilise this valuable resource to spread awareness among the common masses about various programmes, projects, schemes and initiatives taken by the Government in the Healthcare Sector to provide Universal Health Care without any hassles.

With regards,

Yours sincerely

(Dr. Mansukh Mandaviya)

Encl: As above.

All Hon'ble Members of Parliament
(Lok Sabha & Rajya Sabha)

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011 • Office: 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele.: (O): +91-11-23061661, 23063513 • Telefax : 23062358 • E-mail : india-hfm@gov.in

13-11/2023-AR

1217070/2023/EM Office

G20 भारत 2023 INDIA

डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

अ.शा पत्र सं.ए-11014/18/2023-एसएनए
दिनांक 14 मार्च, 2023

माननीय संसद सदस्य,

जैसा कि आपको विदित है माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हमारे देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले 8 वर्षों में अनेक पहल और सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 महामारी का सफलतापूर्वक सामना करने के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में मुख्यत: चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, केंद्र सरकार के अस्पतालों में अवसंरचना के उन्नयन जैसे क्षेत्रों में हमारे देश ने पर्याप्त सुधार देखा है। ये सभी उपलब्धियां एक पुस्तिका में संकलित की गई हैं जिसे मैं आपके साथ सहर्ष साझा करना चाहता हूँ।

मुझे आशा और विश्वास है कि यह पुस्तिका देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में की गई पहल और सुधार के बारे में व्यापक तौर पर आपको अवगत कराने में बहुत उपयोगी होगी। यह आपके निर्वाचन क्षेत्र और देश के अन्य क्षेत्रों की आम जनता की जानकारी के लिए इसका प्रचार एंव प्रसार करने में आपकी मदद करेगी ताकि उनके द्वारा अपने स्वास्थ्य की देखभाल में इसका अधिकतम उपयोग कर सकें।

यदि आप, निर्बाध सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न कार्यक्रमों, परियोजनाओं, योजनाओं और पहलों के बारे में आम जनता के बीच जागरुकता फैलाने के लिए इस बहुमूल्य संसाधन का उपयोग करेगें तो स्वस्थ और समृद्ध भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास होगा।

सादर

आपका

(डॉ. मनसुख मांडविया)

संलग्नक: यथोपरि

सभी माननीय संसद सदस्य
(लोक सभा एंव राज्य सभा)

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011 • Office: 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele.: (O): +91-11-23061661, 23063513 • Telefax : 23062358 • E-mail : india-hfm@gov.in

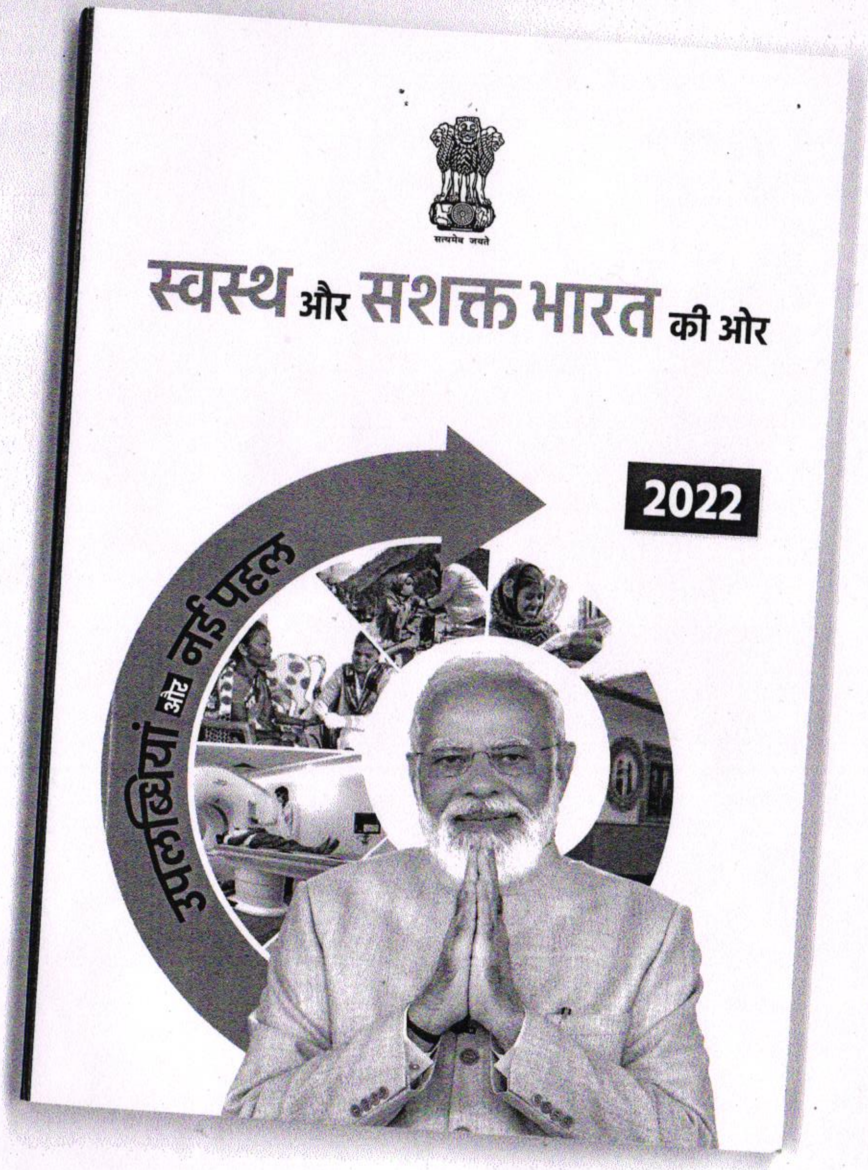
सत्यमेव जयते
स्वस्थ और सशक्त भारत की ओर
2022
उपलब्धियां और नई पहल

CONTENTS

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

1	प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना	05
2	आयुष्मान भारत- हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर	12
3	आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन	16
4	प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन	19
5	सुदृढ़ होती भारत की चिकित्सा शिक्षा	21
6	सुदृढ़ होता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	27
7	स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में नए और उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना	34
8	राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा	39
9	प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम	42
10	टीबी हारेगा, देश जीतेगा	46
11	सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम	49
12	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम	50
13	राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम	52
14	राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम	53
15	राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम	54
16	राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम	56
17	केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस)	57
18	भोजन का गुणवत्तापूर्ण होना और स्वच्छ उपयोग सुनिश्चित करना	59
19	पथ-प्रवर्तक स्वास्थ्य पहल	60
20	कोविड-19 प्रबंधन और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम	62

CONTENTS

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय

1 प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना 05

2 आयुष्मान भारत- हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर 12

3 आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन 16

4 प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन 19

5 सुदृढ़ होती भारत की चिकित्सा शिक्षा 21

6 सुदृढ़ होता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 27

7 स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में नए और उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना 34

8 राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 39

9 प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 42

10 टीबी हारेगा, देश जीतेगा 46

11 सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम 49

12 राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम 50

13 राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम 52

14 राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम 53

15 राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम 54

16 राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम 56

17 केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) 57

18 भोजन का गुणवत्तापूर्ण होना और स्वच्छ उपयोग सुनिश्चित करना 59

19 पथ-प्रवर्तक स्वास्थ्य पहल 60

20 कोविड-19 प्रबंधन और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम 62

उपलब्धियां और नई पहल

स्वस्थ और सशक्त भारत की ओर

POCKETBOOK

आयुष्मान भारत- भारत के लिए समग्र स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना की प्रगति

- 22 करोड़ से अधिक — आयुष्मान कार्ड बनाए गए
- 4.25 करोड़ से अधिक — अधिकृत अस्पताल भर्ती
- 50,277.4 करोड़ — अधिकृत अस्पताल भर्ती राशि
- 26,054 — पैनल में शामिल कुल अस्पताल

जारी किए गए आयुष्मान कार्ड्स

योजना के प्रारंभ होने के बाद से 22 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए

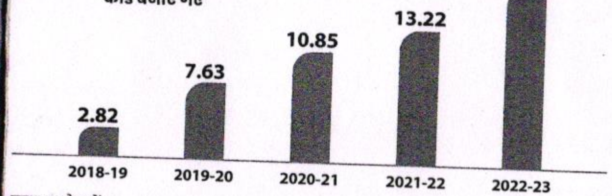

डाटा करोड़ में

डाटा 31 दिसम्बर 2022 तक

जारी किए गए आयुष्मान कार्ड

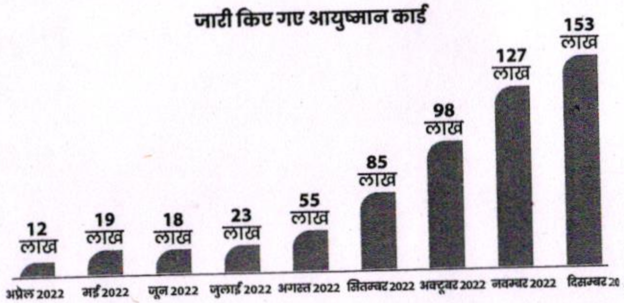

अस्पताल भर्तियाँ- 4.25 करोड़

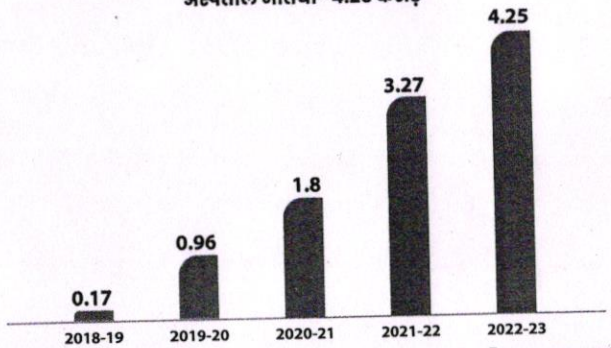

डाटा करोड़ में

डाटा 31 दिसम्बर 2022 तक

▶ जेब से होने वाले खर्च को बचाना - परिवारों को बचाना

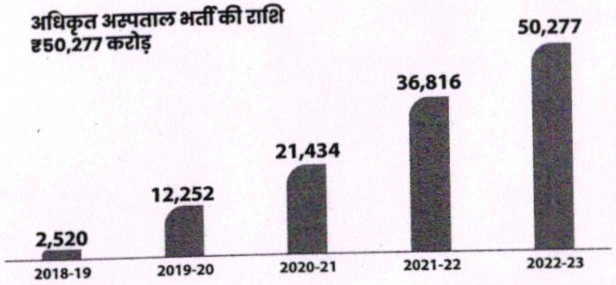

डाटा करोड़ रुपए में

डाटा 31 दिसम्बर 2022 तक

कुल अस्पताल भर्ती राशि

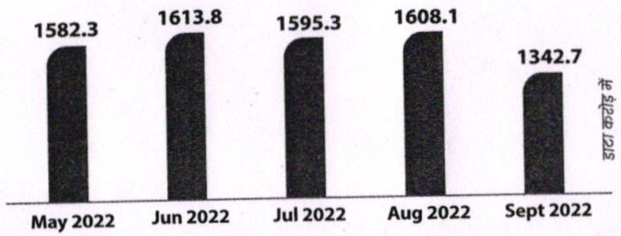

अधिकृत अस्पताल भर्ती की राशि ₹50,277 करोड़

पहुंच में वृद्धि

पैनलबद्ध अस्पतालों की संख्या- 26,054

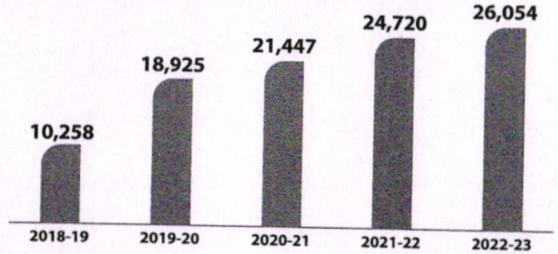

Data in crores

Data as of 31st December 2022

पीएमजेएवाई के तहत अस्पताल में बिस्तरों की उपलब्धता में वृद्धि का वार्षिक रुझान (संचयी)

अस्पताल बिस्तरों की संख्या
(हज़ार में)

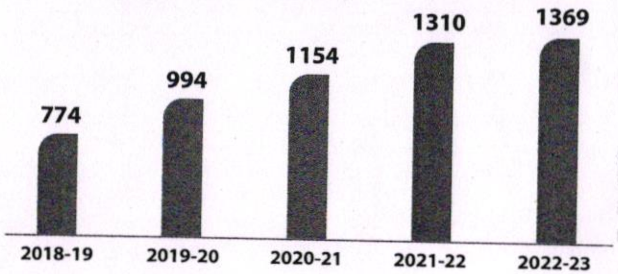

प्रति लाख पात्र लाभार्थियों पर अस्पताल में बिस्तरों की संख्या

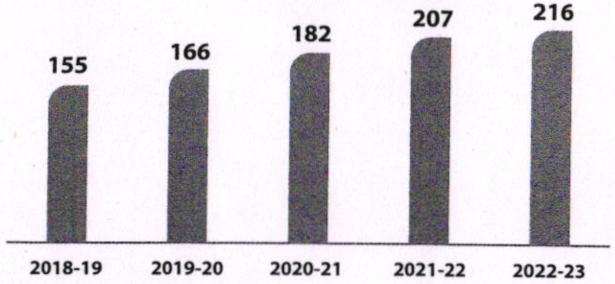

पीएमजेएवाई के तहत राज्यों को जारी राशि- ₹14,986.44 करोड़ राशि का उपयोग (करोड़ में)

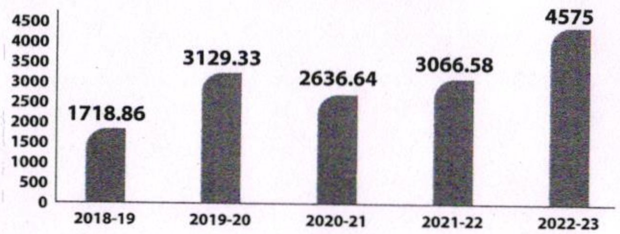

डाटा करोड़ में

डाटा 31 दिसम्बर 2022 तक

आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य लाभ पैकेज का विस्तार

400+ प्रक्रियाओं के लिए कीमतों में वृद्धि- **कुल 1,670**

नैदानिक सेवाओं के लिए नई प्रक्रियाओं को अपनाना

नवम्बर 2021

उपचार प्रक्रियाएं बढ़कर **1,592 हुई**

दावा अधिनिर्णय और धोखाधड़ी शमन के लिए मशीन पठनीय एचबीपी (HBP) नैदानिक सेवाओं के लिए नई प्रक्रियाओं को अपनाना

नवम्बर 2019

अप्रैल 2022

365 नई प्रक्रियाएं जोड़ी गईं- **कुल 1,949**

- विभेदक मूल्य निर्धारण
- उपशामक देखभाल विशेषता

नवम्बर 2020

उपचार प्रक्रियाएं बढ़कर **1,669** हो गईं

अंग और ऊतक प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं को शामिल करना

सितम्बर 2018

योजना **1,393** पैकेज के साथ प्रारंभ की गई

स्थानीय आवश्यकताओं को समायोजित करने लिए राज्य-विशिष्ट विविधताओं की अनुमति है

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाय) की **शानदार यात्रा**

- 23 सितम्बर 2018 → एबी पीएमजेएवाय 1,393 प्रक्रियाओं के साथ **प्रारंभ** की गई
- सितम्बर 2018 → **छत्तीसगढ़** पहला इलाज
- मार्च 2019 → **10,000+ अस्पताल** शामिल किए गए
- सितम्बर 2019 → **15,000+ अस्पताल** शामिल किए गए **10 करोड़** आयुष्मान कार्ड जारी
- मई 2020 → आरोग्य धारा 1.0 **10,000+ अस्पताल** शामिल किए गए **1 करोड़** उपचार
- मार्च 2021 → **15 करोड़** आयुष्मान कार्ड जारी किए गए
- अगस्त 2021 → **2 करोड़** उपचार आरोग्य धारा2.0
- सितम्बर 2021 → **25,000+** अस्पताल
- मार्च 2022 → **3 करोड़** उपचार
- अप्रैल 2022 → ास्थ्य लाभ पैकेज **2022** 949 प्रक्रियाओं के साथ शुरू किया गया
- दिसम्बर 2022 → **4.2 करोड़+ उपचार** **22 करोड़+ आयुष्मान कार्ड** **26,054+ अस्पताल**

आयुष्मान भारत- हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर

▶ **1,54,070 से अधिक एबी-एचडब्ल्यूसी संचालित**

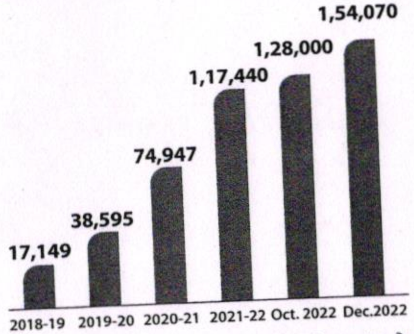

दिसंबर 2022 तक **1.5 लाख** आयुष्मान भारत हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर के संचालन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। 4,000 अतिरिक्त एबी-एचडब्ल्यूसी का संचालन भी शुरु हुआ।

▶ **एबी-एचडब्ल्यूसी में आने वाले रोगियों की वर्ष-वार संचयी संख्या (करोड़ में)**

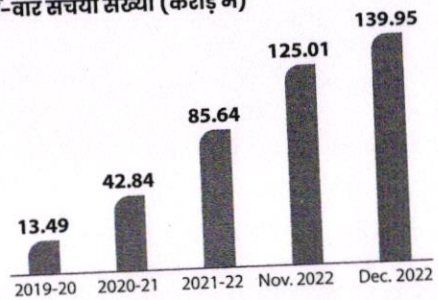

द्वारा 31 दिसम्बर 2022 तक

▶ **एबी-एचडब्ल्यूसी विभिन्न रोगों के लिए जांच प्रदान करते हैं**

कुल उच्च रक्तचाप जांच- **29.98 करोड़**

कुल मधुमेह जांच- **25.58 करोड़**

**31.12.2022* तक

मुंह के कैंसर की कुल जांच **17.45 करोड़**

स्तन कैंसर की कुल जांच **8.27 करोड़**

सर्वाइकल कैंसर की कुल जांच **5.66 करोड़** से अधिक

**31.12.2022* तक

एबी-एचडब्ल्यूसी में आने वाले रोगियों की संचयी संख्या- **135.95 करोड़**

**31.12.2022* तक

आयोजित योग/आरोग्य सत्रों की संख्या- **1.60 करोड़**

**31.12.2022* तक

ब्लॉक हैल्थ मेला (18 अप्रैल - 20 मई 2022)

5,32,476
ABHA स्वास्थ्य आईडी बनाई गई

1,98,537
पीएम-जेएवाय गोल्डन कार्ड जारी किए गए

2.5 लाख
टेली-परामर्श

35,547
योग/आरोग्य/ध्यान सत्र आयोजित किए गए

**18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक*

1,57,984
मुंह के कैंसर की जांच

82,659
गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी की जांच

1,386
रक्तदान शिविर

668
अंगदान पंजीकरण

**18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक*

11,09,825
उच्च रक्तचाप की जांच

10,08,271
मधुमेह जांच

3,11,749
मोतियाबिंद जांच

93,932
लोगों की टीबी जांच

4,849
हैल्थ मेले 33 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में आयोजित

47.3 लाख
से अधिक लोग लाभान्वित

**18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक*

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि

एबीडीएम के तहत स्वास्थ्य अवसंरचना पर व्यय

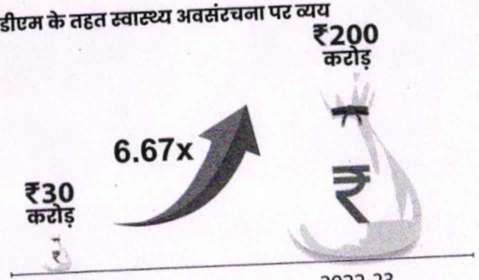

आभा ने तीव्र गति और उल्लेखनीय दक्षता से कार्य किया

भारत का बदलता डिजिटल हेल्थकेयर परिदृश्य

31.81 करोड़ से अधिक आभा बनाए गए

1,29,956 स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का सत्यापन किया गया

1,98,239 स्वास्थ्य केन्द्रों का सत्यापन किया गया

13,10,53,316 स्वास्थ्य रिकॉर्ड जोड़े गए

*24 जनवरी 2023 तक

31.81 करोड़ से अधिक आभा बनाए गए

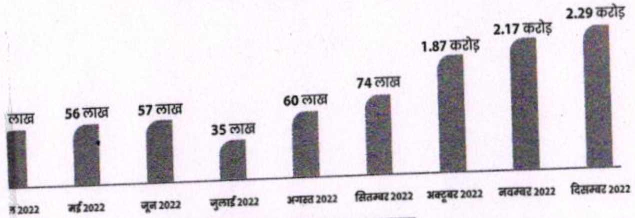

माहवार आभा बनाए गए

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

मजबूत होता डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत

10 करोड़

से ज़्यादा हेल्थ रिकॉर्ड्स, आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट्स

के साथ

डिजिटली जोड़े गए

- देश की पांचवे भाग से अधिक आबादी के लिए आभा आईडी सितंबर 2021 में एबीडीएम के राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ होने के बाद बनाई गई।

- एबीडीएम के साथ 74 इंटीग्रेटर्स को सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है।

ई-संजीवनी - भारत की डिजिटल स्वास्थ्य यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना

- एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, **टेलीमेडिसिन ने रोगी की प्रति स्वास्थ्य यात्रा में 21.59 किमी की यात्रा की बचत की।**

- एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, **टेलीमेडिसिन ने रोगी की प्रति स्वास्थ्य यात्रा में 21.59 किमी की यात्रा की बचत की।**

ई-संजीवनी सेवाएं अब

1,11,054

से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और वेलनेस सेंटर पर उपलब्ध हैं।

▶ **टेली-परामर्श में वर्ष वार वृद्धि-**

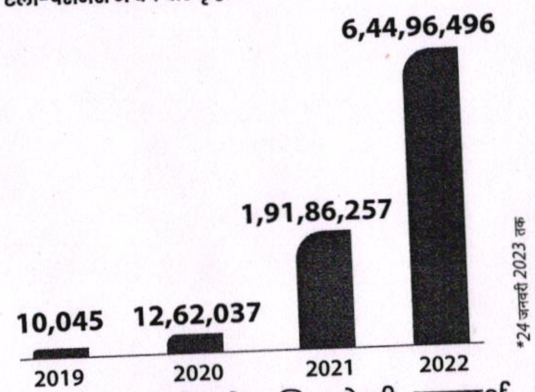

कुल 9 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन

Creating a future ready resilient healthcare system

वर्तमान और भविष्य की महामारियों/आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करने के लिए 64,180 करोड़ रुपये का परिव्यय और सभी स्तरों पर देखभाल की निरंतरता में स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता विकसित करना

▶ **2025-26 तक अपेक्षित परिणाम**

- टेलीकंसल्टेशन वाले 1.5 लाख हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर
- 15 स्वास्थ्य आपातकालीन प्रचालन केंद्र
- 33 रोग प्रकोपों के विश्लेषण और पूर्वानुमान की उन्नत क्षमता

▶ **व्यापक महामारी अनुसंधान**

- मौजूदा 80 वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब्स को मजबूत बनाना
- 15 नई जैव सुरक्षित लेवल III प्रयोगशालाओं का संचालन
- एक स्वास्थ्य के लिए एक नई राष्ट्रीय संस्थान

▶ संक्रामक रोगों की व्यापक निगरानी

जिला स्तर पर **3382 ब्लॉक** जन स्वास्थ्य इकाइयां

आईसीएमआर एनसीडीसी की **15 बीएसएल III प्रयोगशालाएँ**

एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच

▶ व्यापक निदान और उपचार सुविध

602 जिलों में क्रिटिक केयर अस्पताल ब्लॉक की स्थापना

15 24x7 स्वास्थ्य आपातकाल संचालन केंद्र

एशिया में पहली बार **2 कंटेनर** आधारित मोबाइल अस्पताल

▶ **पीएम-एबीएचआईएम के तहत प्रमुख उपलब्धियां**

01 7,808 भवन रहित उप-स्वास्थ्य केन्द्रों को सहायता

02 264 शहरी हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना

03 485 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की स्थापन

04 216 एकीकृत सार्वजनि स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) और 166 क्रिटिकल केयर ब (सीसीबी) अस्पताल की स्थापना

भारत में चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करना

एम्स का रिपोर्ट कार्ड

वित्तीय वर्ष 2022-23 के ए योजना के लिए ₹10,000 करोड़ आवंटित

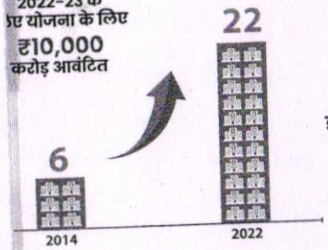

डॉक्टर-जनसंख्या के 1:1000 अनुपात वि.स्वा.सं. की तुलना में भारत का डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:834 है (एलोपैथिक और आयुष डॉक्टर शामिल)

सरकारी मेडिकल कॉलेजों और स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान

मेडिकल कॉलेजों में वृद्धि

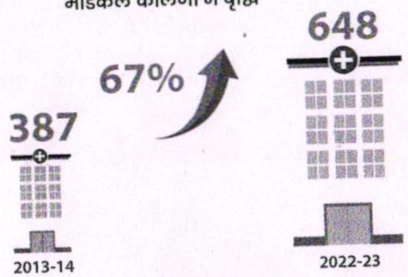

स्नातक सीटों में वृद्धि

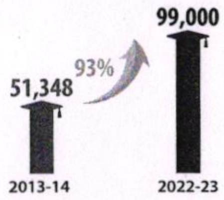

पिछले 8 वर्षों में सीटें बढ़ी हैं
एमबीबीएस: 47,000
पीजी: 32,000

स्नातकोत्तर सीटों मे

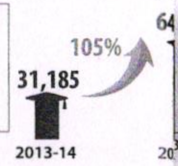

मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि

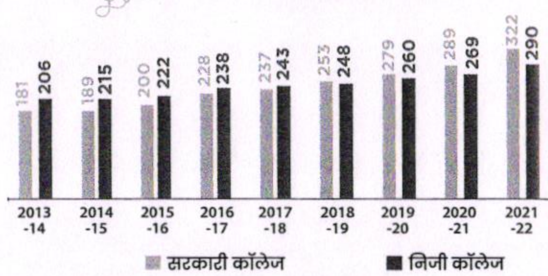

स्नातक सीटों की संख्या में वृद्धि

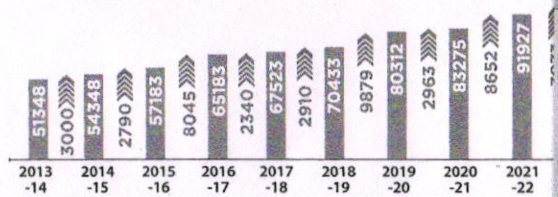

स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में वृद्धि

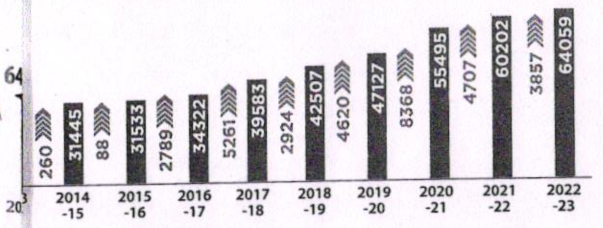

वर्षवार एनबीईएमएस मान्यता प्राप्त सीटें

क्रम	मार्च 2014	मार्च 2015	मार्च 2016	मार्च 2017	मार्च 2018	मार्च 2019	मार्च 2020	मार्च 2021	सितम्बर 2022
ट ऑफ बोर्ड	3609	3905	3762	5343	5725	6216	7460	7418	7148
ट ऑफ ऽ बोर्ड	638	674	565	967	1146	1173	1924	1932	2245
वृत्ति/ शिप	236	266	259	311	374	394	238	221	373
एस	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	712	2882
टें	4483	4845	4586	6621	7245	7783	9622	10283	12648

चिकित्सा शिक्षा में निवेश में वृद्धि

नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए
केंद्र प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस)

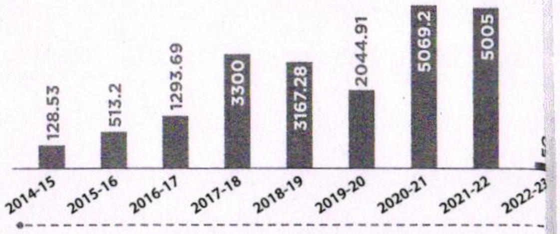

पीजी सीटों की बढ़ोतरी के लिए सीएसएस

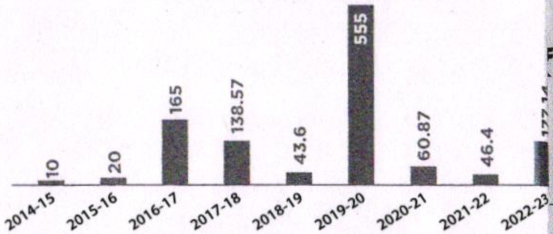

एमबीबीएस सीटों की बढ़ोतरी के लिए सीएसएस

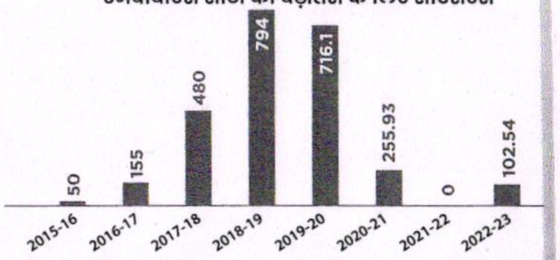

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के बजट आवंटन में **भारी वृद्धि**

स्वास्थ्य अवसंरचना पर पीएमएसएसवाय व्यय

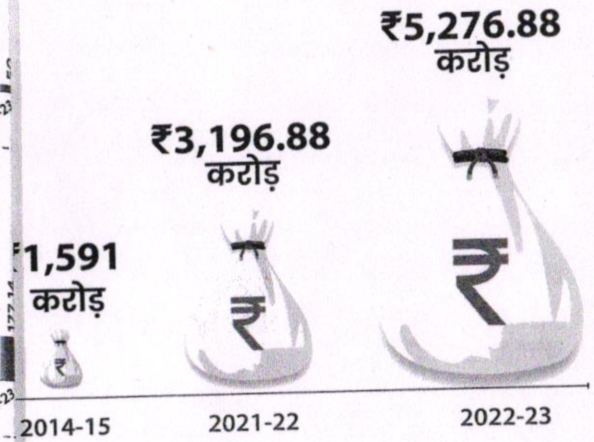

अवसंरचना के विकास के लिए पिछले 8 वर्षों में ₹17,498.98 करोड़ रुपये आवंटित किए गए

2014-15 से बजट में ₹3,730 करोड़ की वृद्धि

बजट आवंटन में वृद्धि

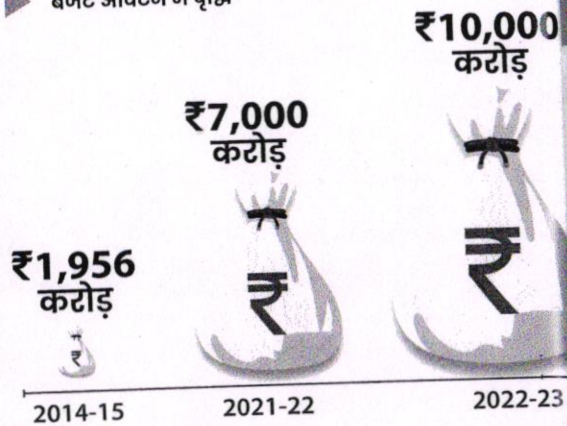

पीएमएसएसवाई योजना के तहत नए एम्स खोलने के लिए पिछले 8 वर्षों में ₹29,937 करोड़ खर्च किए गए

जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा शिक्षा का **नया युग**

- **2022 में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में काफी वृद्धि हुई**

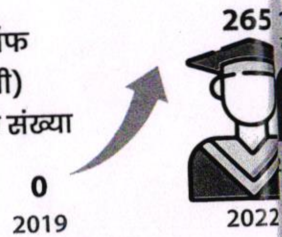

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को सुदृढ़ करना

बजट आवंटन में वृद्धि

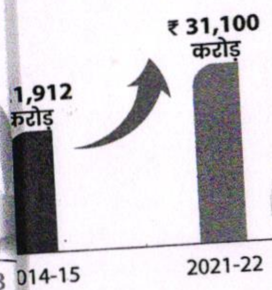

स्वास्थ्य मानव संसाधन वृद्धि

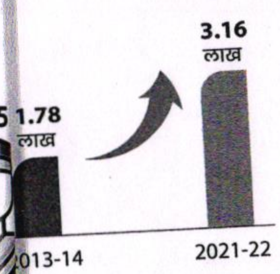

- आशा कार्यकर्ताओं की संख्या में वृद्धि

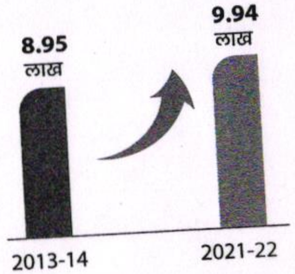

कार्यात्मक प्रथम रेफरल इकाइयां (एफआरयू)

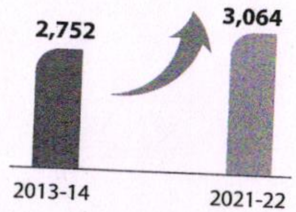

24x7 आधार पर कार्यरि
पीएचसी की संख्या

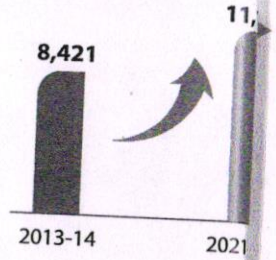

मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) सेवा (परिचालित)

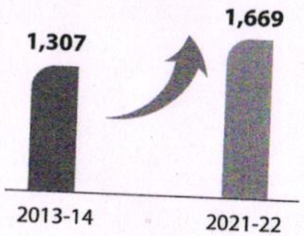

आपातकालीन अनुक्रि
वाहन (परिचालित)

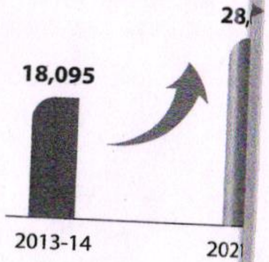

प्राथमिक और माध्यमिक वृद्धावस्था देखभाल सेवाओं का तेजी से विस्तार

परिचालित जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पताल

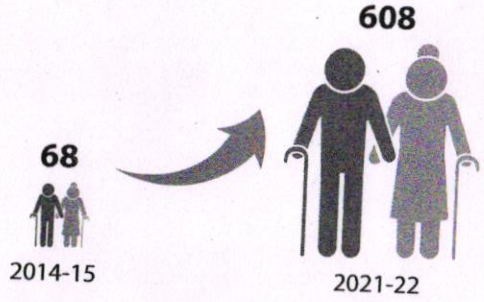

स्वीकृत जिला चिकित्सालय

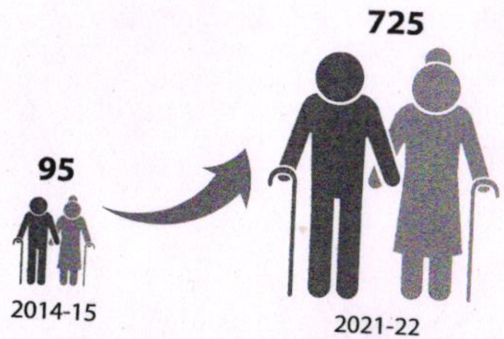

मातृ स्वास्थ्य में सुधार

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान -गर्भवती महिलाओं को गुण प्रसव-पूर्व देखभाल प्रदान करना

- 3.67 करोड़ से अधिक प्रसव-पूर्व जांच की जा चुकी हैं
- नवम्बर 2022 तक 34.42 लाख उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की पहचान की गई है
- अप्रैल-सितंबर 2022 की अवधि के दौरान 44.64 ल लाभार्थियों को जननी सुर योजना के तहत लाभ प्रा हुआ

लेबर रूम और गुणवत्ता सुधार पहल (लक्ष्य)

- गर्भवती महिलाओं को सम्मान सुनिश्चित करना और इसका उद्देश्य प्रसव के दौरान और प्रसव के तुरंत बाद लेबर रूम और प्रसूति ऑपरेशन थिएटर में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है
- 644 लेबर रूम और 504 प्रसूति ऑपरेशन थिएटरों में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार - राष्ट्रीय स्तर पर लक्ष्य प्रमाणित (31 दिसंबर 2022 तक)
- वित्तीय वर्ष 2021- के दौरान कुल निल 172 लेबर रूम औ 126 प्रसूति ऑपरेशन थियेटरों राष्ट्रीय स्तर पर ल प्रमाणित किया ग

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम प्रमाणित केन्द्रों की संख्या में वृद्धि हुई है

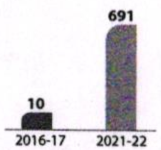

NQAS

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5

पहली तिमाही में प्रसव-पूर्व जांच कराने वाली माताएं*

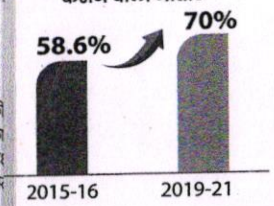

परिवार नियोजन विधियों के उपयोग में वृद्धि*

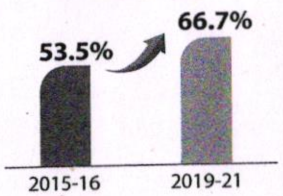

पेशेवरों द्वारा जन्म की निगरानी*

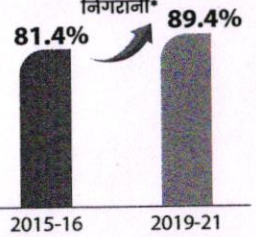

वोत्तर देखभाल कराने वाली माताएं*

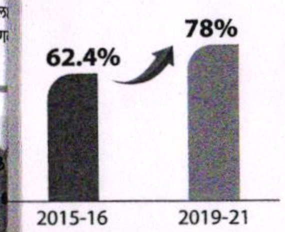

संस्थागत जन्मों में वृद्धि*

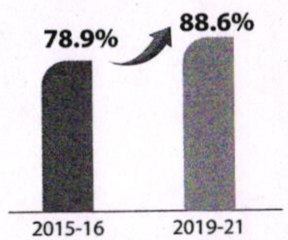

नसंख्या प्रतिशत *

बाल मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट

नवजात मृत्यु दर

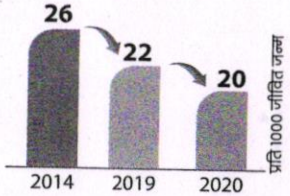

शिशु मृत्यु दर

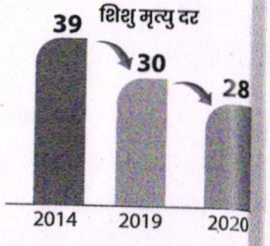

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर

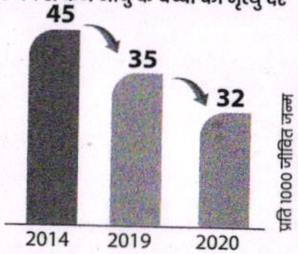

2014 के बाद से मातृ मृत्यु दर में भारी गिरावट

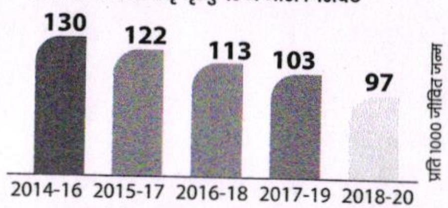

- भारत ने 2022 में बाल मृत्यु दर के एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त किया

गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन की ओर अग्रसर

कुल प्रजनन दर में गिरावट

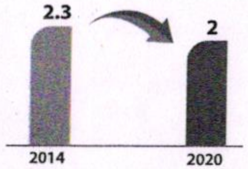

समग्र पोषण स्थिति में प्रमुख सुधार

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पोषण की स्थिति

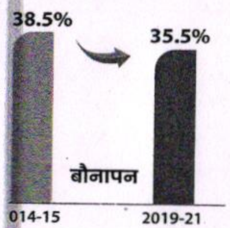

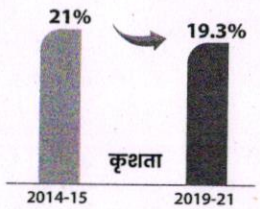

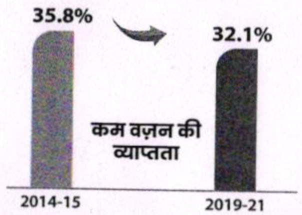

एनएफएचएस-5

स्वास्थ्य अनुसंधान के नए और उन्न पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना

समग्र स्वास्थ्य बजट में भारी वृद्धि

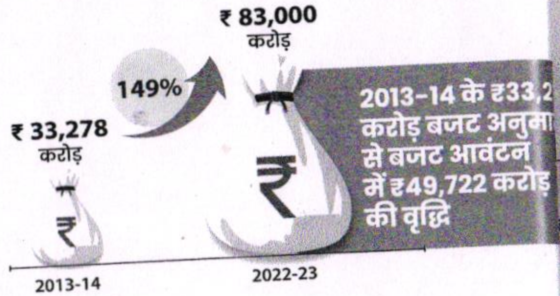

कुल स्वास्थ्य अनुसंधान बजट में वृद्धि

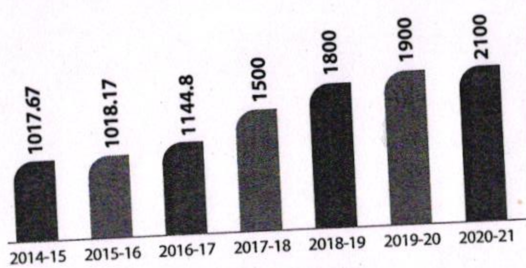

• राशि (करोड़ में)

निम्नलिखित की संख्या में वृद्धि:

वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीज (वीआरडीएल)

भी वायरल रोगजनकों का पता लगाने में सक्षम

बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयाँ (एमआरयू)

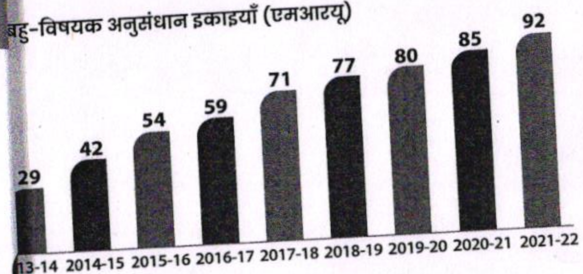

मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयां (एमआरएचआरयू)

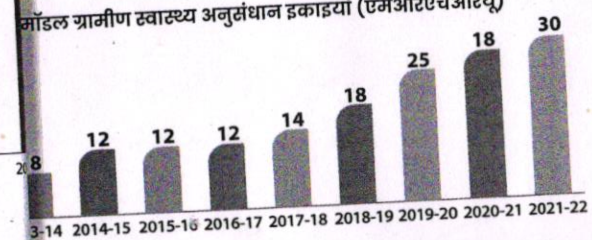

भारतीय फार्माकोपिया आयोग की विभिन्न मा
पर वर्षवार प्रगति

▶ इंडियन फार्माकोपिया (आईपी) में प्रकाशित मोनोग्राफ की संख्या

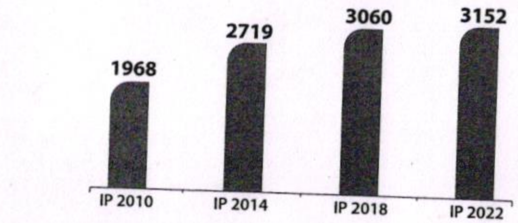

▶ आईपी संदर्भ मानकों का विकास

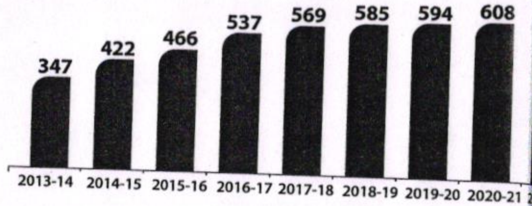

▶ अशुद्धताओं का विकास

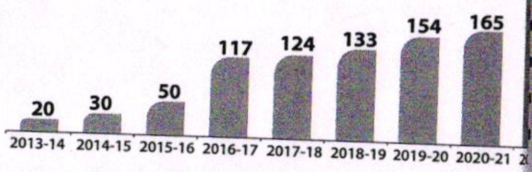

भारत के राष्ट्रीय फार्मूलरी में प्रकाशित मोनोग्राफ की संख्या

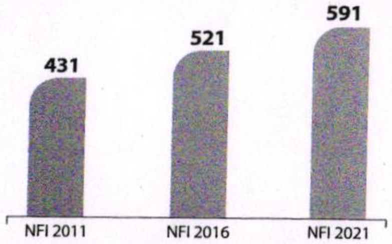

ारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत
तिकूल दवा अनुक्रिया (एडीआर) निगरानी केंद्रों
ो वर्षवार वृद्धि

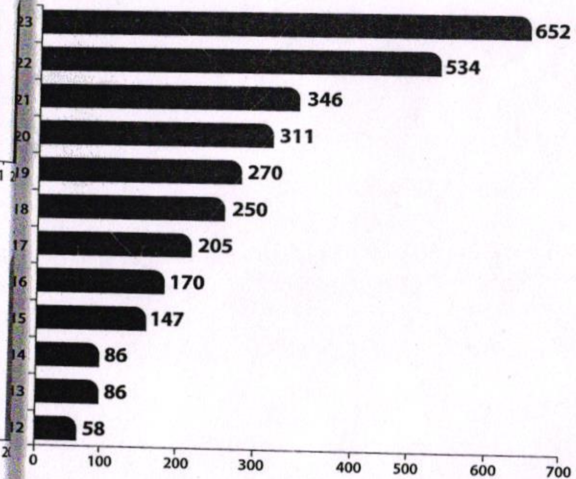

भारत के मैटेरियोविजिलेंस प्रोग्राम (एमवीपीअ
निगरानी केंद्रों की वर्षवार वृद्धि

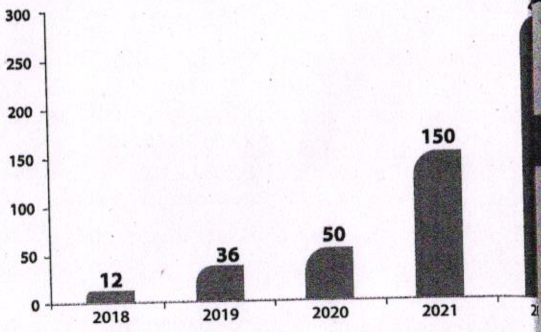

▶ एमवीपीआई द्वारा चिकित्सा उपकरणों की प्रतिकूल घटना एमडी
रिपोर्ट की संख्या

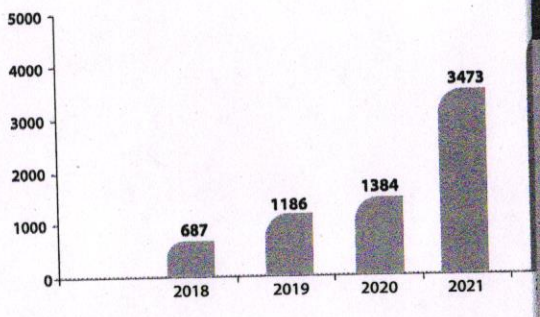

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को प्राथमिकता

सरकारी स्वास्थ्य व्यय (प्रति व्यक्ति)

2013-14 से 74% की वृद्धि हुई

सरकार द्वारा वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा

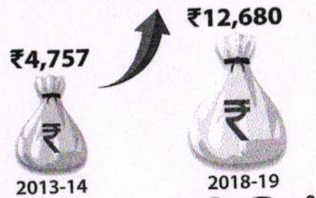

2013-14 से 167% की वृद्धि हुई

सरकारी स्वास्थ्य व्यय का प्रतिशत (वर्तमान)

2013-14	2018-19
23.2%	34.5%

स्वास्थ्य पर सामाजिक सुरक्षा व्यय

2013-14	2018-19
6%	9.6%

सरकारी स्वास्थ्य व्यय का प्रतिशत (कुल)

2013-14	2018-19
28.6%	40.6%

जेब से होने वाले व्यय में महत्वपूर्ण गिरावट

2013-14	2018-19
64.2%	48.2%

स्रोत: राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान भारत 2018-19

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी)

गरीबों को मुफ्त डायलिसिस सेवाएं प्रदान करना

कार्यान्वयन की स्थिति

	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या	जिलों की संख्या	एचडी केंद्रों की संख्या	एचडी मशीनों की संख्या
दिसंबर 2022	36	641	1350	8871
अप्रैल 2020	32	444	765	4471

कुल 17.27 लाख रोगियों ने डायलिसिस सेवाओं का लाभ उठाया है

1.8 करोड़ से अधिक हेमोडायलिसिस सत्र आयोजित किए गए

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पीएमईजीपी के तहत हेमोडायलिसिस सेवाओं के लिए अनुमोदित फंड

2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
153	178	194	251	319	351.17

अनुमोदित राशि (करोड़ में)

मलेरिया मुक्त भारत की ओर तेजी से अग्रसर

मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट

2021 में सिर्फ 24 जिलों ने 1 या अधिक की वार्षिक परजीवी घटना की रिपोर्ट दी

125 जिलों ने 'जीरो मलेरिया केस' की सूचना दी

2014 और 2021 के बीच मलेरिया के मामलों में कुल 85.3% की कमी

11,02,205 (2014) → **1,61,753** (2021)

2014 और 2022 के बीच मलेरिया से होने वाली मौतों में कुल 85.8% की कमी आई है

562 (2014) → **80** (2021)

मलेरिया उन्मूलन कार्यनीतियाँ: रिपोर्ट

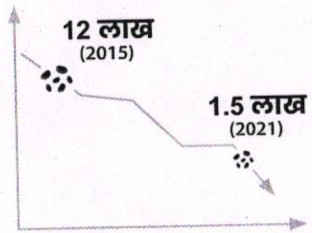

2015 से मलेरिया मृत्यु दर में 77% की गिरावट

स्रोत: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र

जापानी इंसेफेलाइटिस को हराना

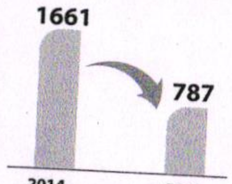

जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों की संख्या में गिरावट

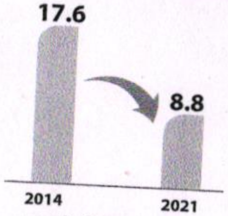

मामले की मृत्यु दर (%)

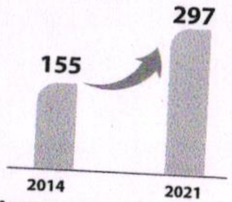

टीकाकरण कवरेज के अंतर्गत लाए गए जिलों की संख्या

लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (लिम्फोएडेमा) के मामलों की संख्या में बड़ी गिरावट

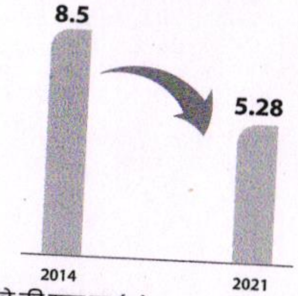

मामले की मृत्यु दर (%)

*संख्या लाख में

कालाजार उन्मूलन की ओर तेजी से अग्रसर

- रिपोर्ट किए गए कुल 633 कालाजार स्थानिक ब्लॉकों में से > प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 मामला

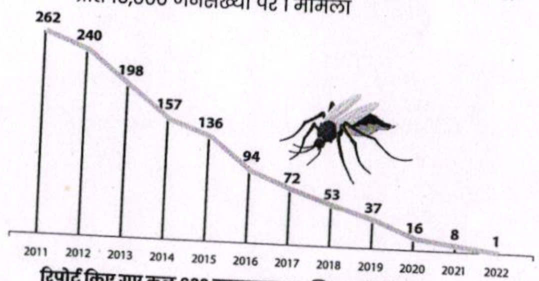

रिपोर्ट किए गए कुल 633 कालाजार स्थानिक ब्लॉकों में से > प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 मामला

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम

- प्रसार दर वाले जिलों की संख्या (1 प्रति 10,000 जनसंख्या) से कम

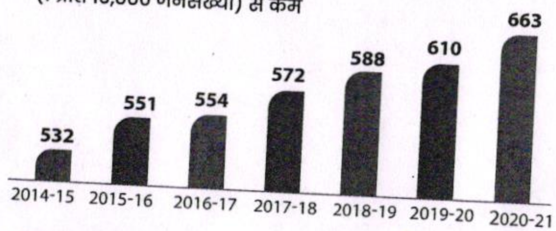

- मुख्य उपलब्धियां

प्रसार दर 2014-15 में 0.69 से 2020-21 में 0.41 तक घटा

नए बाल मामलों के प्रतिशत में आई कमी 2014-15 में 9.04% से 2020-21 में 5.76%

टीबी परीक्षण में प्रमुख सुधार और उपचार

उन्नत परीक्षण

टीबी और डीआर-टीबी के लिए परीक्षण

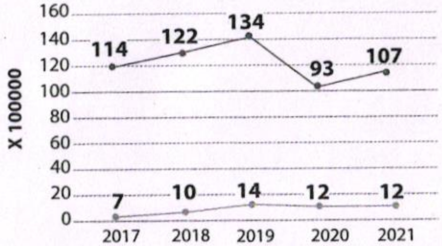

2017 से 2019 तक:
-टीबी परीक्षण में 20% की वृद्धि
-दवा प्रतिरोध परीक्षण लगभग दोगुना

-●- टीबी परीक्षण -●- डीआर-टीबी परीक्षण

डीआर-टीबी- ड्रग रेसिस्टेंट टीबी

बेहतर उपचार सफलता दर

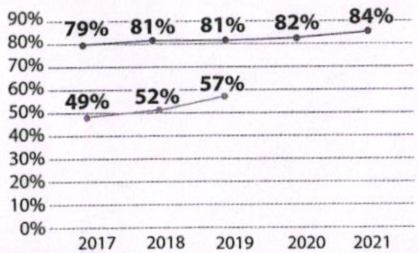

डीआरटीबी-ड्रग सेंसिटिव टीबी
डीआरटीबी-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी

-●- डीएस-टीबी
-●- डीआर-टीबी

महत्वपूर्ण टीबी नैदानिक विस्तार

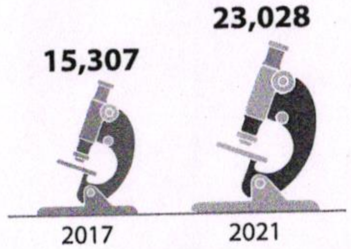

माइक्रोस्कोपी

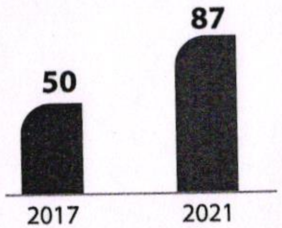

कल्चर लैब
(दवा प्रतिरोध परीक्षण के लिए)

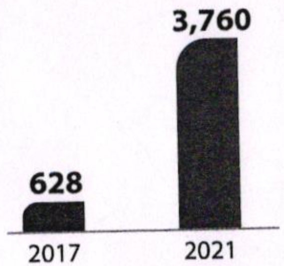

रैपिड आणविक परीक्षण

टीबी के खिलाफ लड़ाई जीतना

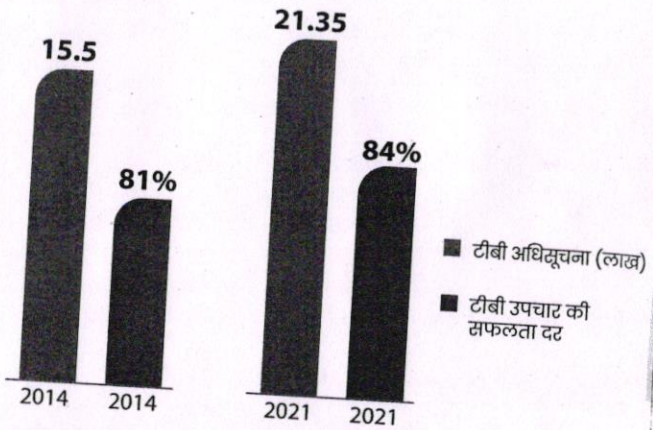

टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य के लिए टीबी मुक्त आदिवासी

(आश्वासन अभियान के अंतर्गत)

आश्वासन अभियान के तहत 174 आदिवासी जिलों में **एक करोड़ से अधिक लोगों की जांच** की गई

68,019 गांवों में घर-घर जाकर टीबी की जांच की गई

9,971 लोगों को टीबी पॉजिटिव पाया गया और उन्हें इलाज के लिए रखा गया

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी)

90 प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य की ओर अग्रसर - **मिशन इंद्रधनुष**

पूर्ण टीकाकरण कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि

टीकाकृत बच्चे (उम्र 12-23 माह)

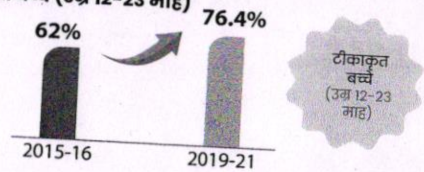

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) - सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक

यूआईपी के तहत सालाना 2.67 करोड़ नवजात शिशुओं और 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को लक्षित किया जाता है

टीके से बचाव योग्य 12 बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण मुफ्त में प्रदान किया जा रहा है; राष्ट्रीय स्तर पर 11 बीमारियों के खिलाफ और उप-राष्ट्रीय स्तर पर 1 बीमारी के खिलाफ

मां और बच्चे को पूर्ण टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के 8 सफल वर्ष

मिशन इन्द्रधनुष (एमआई) ने 2014 में लॉन्च होने के बाद से 701 जिलों को कवर करते हुए 11 चरणों को पूरा किया

मई 2022 तक 4.45 करोड़ बच्चों और 1.12 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया

कुल अंग प्रत्यारोपण में भारी वृद्धि

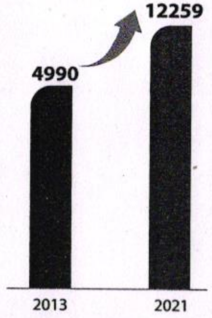

यकृत प्रत्यारोपण में वृद्धि

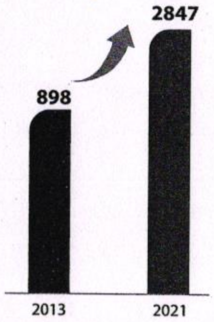

किडनी प्रत्यारोपण में वृद्धि

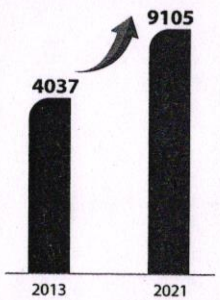

अंगदान है **महादान**

2014-15 से 2021-22 तक एनओएचपी की प्रगति

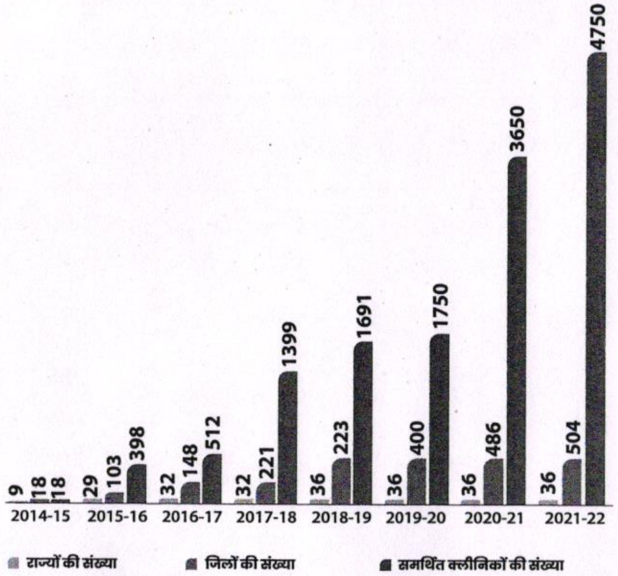

कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस)

एनपीसीडीसीएस के तहत की गई स्क्रीनिंग

संकेतक	उपलब्धियां (संचयी)	संदर्भ अवधि
जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग (सीपीएचसी एनसीडी पोर्टल)	13.66 करोड़	दिसम्बर 2022 तक

एनपीसीडीसीएस संरचना

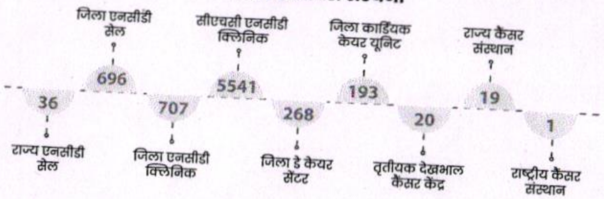

जिला एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या

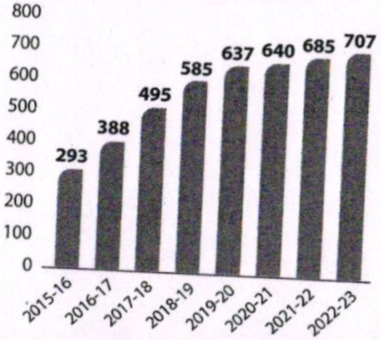

सीएचसी एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या

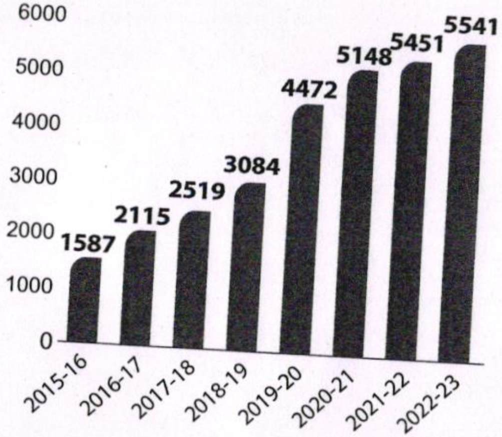

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम

वैश्विक- वयस्क तम्बाकू सर्वेक्षण (जीएटीएस) के अनुसार भारत में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति - 15 वर्ष और उससे अधिक - 2 राउंड

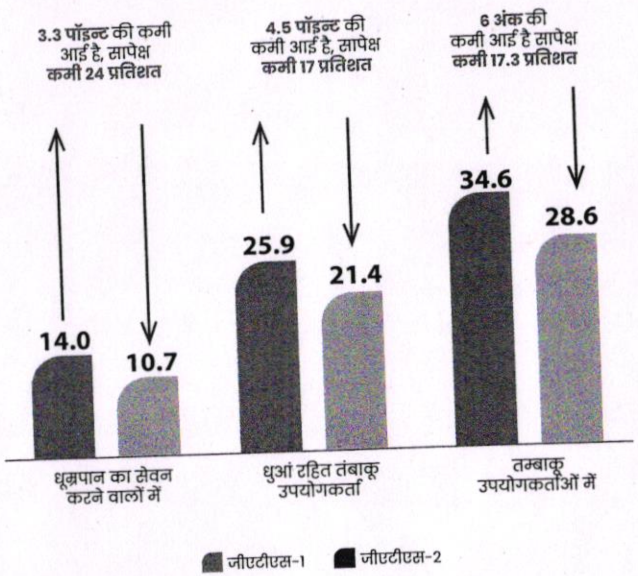

सभी संख्या प्रतिशत में

केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस)

एनएचए-आईटी के माध्यम से सीजीएचएस दावों के भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि

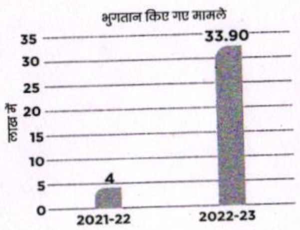

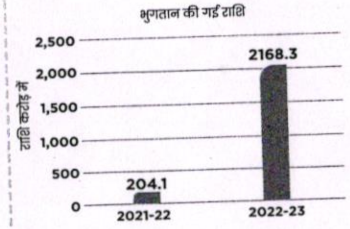

पिछले 6 महीनों में सीजीएचएस मामलों की लंबितता लगभग 6 गुना कम हो गई है

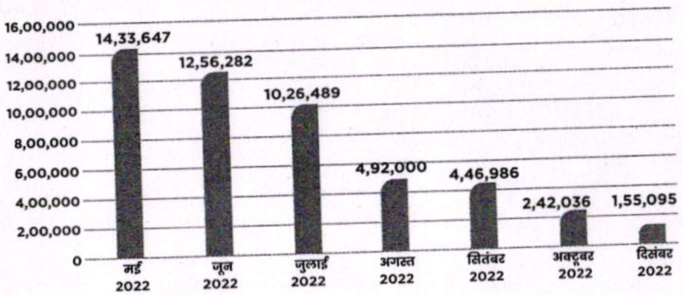

भुगतान की गई राशि

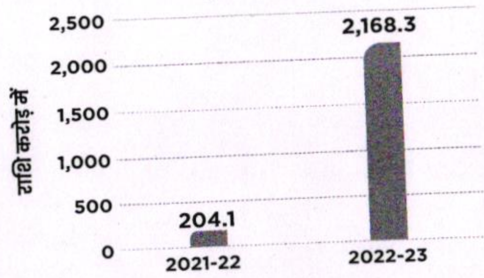

पिछले 6 महीनों में सीजीएचएस मामलों की लंबितता लगभग 6 गुना कम हो गई है

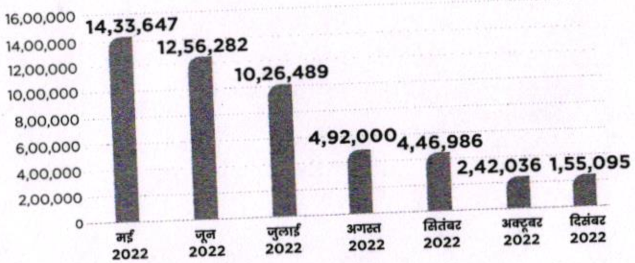

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की पुनर्कल्पना

वैज्ञानिक पैनलों की संख्या में वृद्धि

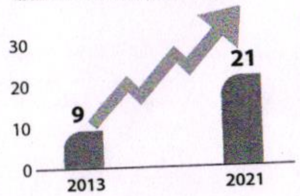

प्राथमिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या में वृद्धि

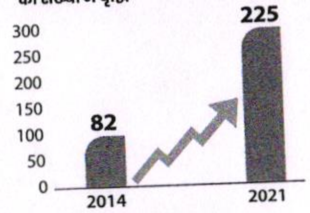

जारी किए गए लाइसेंस या पंजीकरण की संख्या में लगभग दो गुना वृद्धि हुई है

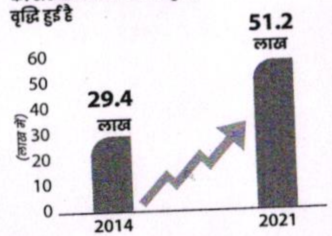

प्रमुख उपलब्धियां

- एफबीओ के केंद्रीय लाइसेंस 14,610 से बढ़कर 62,161 हो गए हैं; 4,66,057 से 9,18,238 तक राज्य लाइसेंस और 20,73,405 से 41,42,771 तक पंजीकरण हो गए।
- FSSAI ने 700 से अधिक खाद्य उत्पाद मानक विकसित किए हैं
- रेफरल लैब्स 2014 में 12 से बढ़कर 2022 में 21 हो गई हैं
- एफएसएसएआईने 33,000 अल्पावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से 10 लाख + खाद्य पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया है

पथ-प्रदर्शक स्वास्थ्य पहल

नि-क्षय 2.0 पहल के भाग के रूप में **टीबी रोगियों की मदद करने में सहयोग कर रहे है।**

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

9,86,232
टीबी रोगियों ने सामुदायिक सहायता प्राप्त करने की सहमति दी

9,51,662
टीबी रोगियों के लिए नि-क्षय मित्र की प्रतिबद्धता

रक्तदान अमृत महोत्सव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एक मेगा **स्वैच्छिक रक्तदान अभियान**, रक्तदान **अमृत महोत्सव** के तहत 2.5 लाख से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया

मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत समर्थित जिलों की संख्या

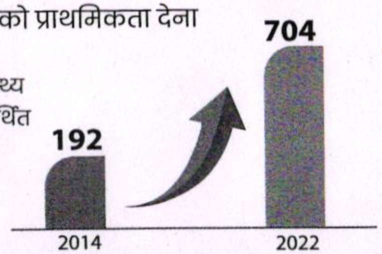

सभी को सस्ती और सुलभ गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए टेली-मानस लॉन्च किया गया

टेलीमेंटल स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग (टेली मानस)

प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में **24x7 टेली मानसिक स्वास्थ्य सुविधा** स्थापित करना

22+1 परामर्श देने वाले संस्थान

5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र

51 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र टेली मानस प्रकोष्ठ (सेल)

शॉर्टकोड **'14416'** देश भर में टोल-फ्री सुलभता के लिए आवंटित किया गया है

सेवा '1-800-891-4416' के साथ भी उपलब्ध है

कोविड-19 प्रबंधन और कोविड टीकाकरण अभियान

कोविड-19 सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के लिए मुख्य क्षमताएँ

91.44 करोड़
अब तक कुल परीक्षण किए गए

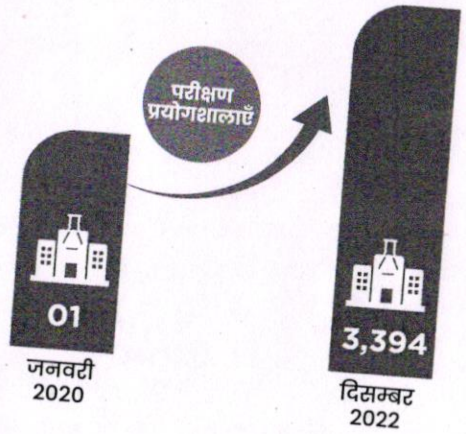

नए वेरिएंट का पता लगाने के लिए जीनोम अनुक्रमण प्रयोगशालाओं का महत्वपूर्ण विस्तार

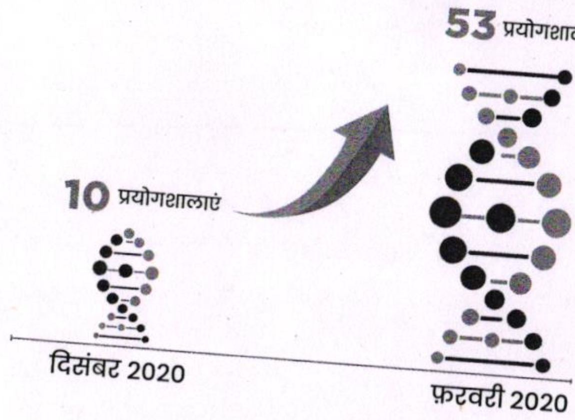

पैन-इंडिया कोविड-19 परीक्षण का विस्तार किया गया

कुल प्रयोगशालाएँ: **3388**

सरकारी आरटी पीसीआर लैब: **821**

निजी आरटी पीसीआर लैब: **1487**

कार्ट्रिज लैब: **1115**

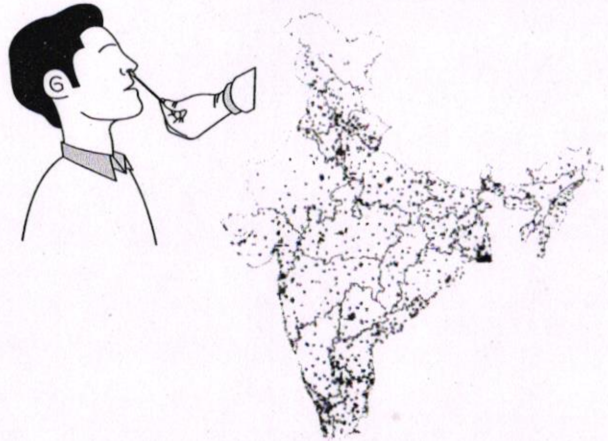

लेह से अंडमान निकोबार तक देश के सुदूरवर्ती हिस्सों में परीक्षण की अवसंरचना स्थापित की गई

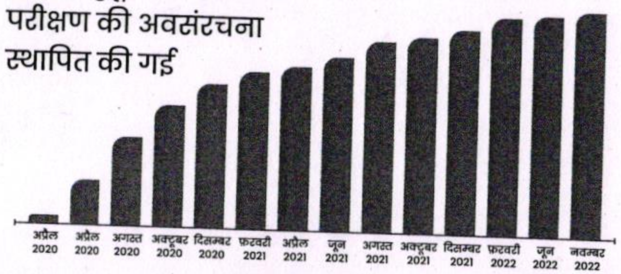

कोविड से संबंधित मेक-इन-इंडिया प्रयास

आईसीएमआर ने कोविड-19 के लिए एक तीव्रगति से पहला मेक-इन-इंडिया कोविड कवच एलिसा किट विकसित किया, जो एक अत्यधिक संवेदनशील मानव IgG एलिसा किट है।

अब तक, 215 आरटी-पीसीआर किटों, 66 रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किटों, 11 होम टेस्टिंग किटों को मान्य किया गया है।

वर्तमान में देश प्रति माह 1000 लाख से अधिक वीटीएम आरएनए एक्सट्रैक्शन किट और आरटीपीसीआर किट और प्रति माह लगभग 900 लाख रैपिड एंटीजन किट का निर्माण कर सकता है।

आत्मनिर्भर भारत पहल ने डायग्नोस्टिक बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा की जिसके परिणामस्वरूप कोविड-19 डायग्नोस्टिक कमोडिटीज की लागत मई 2020 में **₹1727** रुपये से घटकर 21 अक्टूबर को **₹72** रुपये हो गई।

स्वास्थ्य सम्बंधी बुनियादी ढांचे को सवर्धित करने के लिए राज्यों को सक्रिय वित्तीय सहायता

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (2019-20)-
राज्यों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ₹1113.21 करोड़ रुपये जारी किए गए

राज्य आपदा राहत कोष (2020-21)-
राज्यों को एसडीआरएफ के तहत कोविड-19 प्रबंधन के लिए अधिकतम 50% धनराशि खर्च करने की अनुमति दी गई

आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पैकेज-1 (2020-21)-
कोविड-19 प्रबंधन के लिए राज्यों को ₹8473.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई

आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पैकेज- II (2020-21)-
कोविड-19 प्रबंधन के लिए राज्यों को ₹12,740.22 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई

आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन-5 वर्षीय परिव्यय
64,180 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सबसे बड़ी अखिल भारतीय स्वास्थ्य अवसंरचना उन्नयन योजना का शुभारंभ ताकि कोविड-19 और भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का प्रबंधन किया जा सके

आयुष्मान भारत

कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए निरंतर स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना का उन्नयन

कोविड-19- वर्तमान स्थिति

22 नवंबर 2022 तक

समर्पित कोविड अस्पताल	समर्पित कोविड हेल्थ सेंटर	समर्पित कोविड सेंटर	कुल सुविधाएं
4,419	9,845	9,724	23,988
कुल आइसोलेशन बेड	ऑक्सीजन के साथ बेड	आईसीयू बेड	वेंटिलेटर
17,93,310	5,15,001	1,45,014	63,850
बाल चिकित्सा आइसोलेशन बेड	बाल चिकित्सा, ऑक्सीजन बेड	बाल चिकित्सा आईसीयू बेड्स	बाल चिकित्सा वेंटिलेटर
1,29,336	71,808	15,817	8,561

ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर्स			पीएसए प्लांट्स		ऑक्सीजन सिलेंडर्स	
राज्यों को आवंटित	राज्यों द्वारा जिलों को आवंटित	प्रेषित	आवंटित	लगाए गए	आवंटित	वितरित
1,13,186	1,13,186	1,13,186	4,135	4,126	4,02,517	4,02,517

स्रोत: कोविड पोर्टल पर राज्यों/केंद्र प्रशासित राज्यों द्वारा दिया गया

रेमेडिसविर के उत्पादन में भारी वृद्धि

कोविड-19 टीकाकरण: लड़ाई और जीत

ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच का उपयोग कर 2.64 लाख से अधिक टीका लगाने वालों और 4.76 लाख अन्य टीकाकरण दल के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया

वैक्सीन मैत्री पहल के तहत 100 से अधिक देशों और 2 संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं (यूएन पीसकीपर्स और यूएन हेल्थवर्कर्स) को कुल **291.5 मिलियन** खुराक की आपूर्ति की गई।

*25 जनवरी 2023 तक

हर घर दस्तक (एचजीडी) 2.0 के तहत **उपलब्धि** (1 जून-31 जुलाई '22)

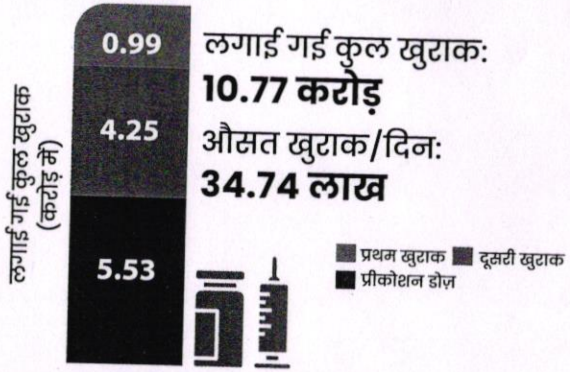

लगाई गई कुल खुराक:
10.77 करोड़

औसत खुराक/दिन:
34.74 लाख

कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव - 75 दिनों के लिए सभी वयस्कों के लिए मुफ्त कोविड-19 प्रीकॉशन डोज़

16.07 करोड़ से अधिक प्रीकॉशन डोज़ लगाई गई जिससे पात्र लाभार्थियों के लिए डोज़ का कवरेज 8% से बढ़कर 27% हो गया

भारत ने 17 जुलाई, 2022 को ऐतिहासिक (लैंडमार्क) **200 करोड़ कोविड-19 टीकाकरण** को पार कर लिया

प्रमुख उपलब्धि (माइल-स्टोन) हासिल करने में सामजस्यता

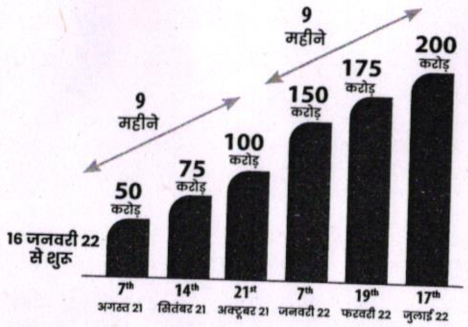

17 सितंबर 2021 को एक दिन में **2.5 करोड़** से अधिक खुराक दी गई

वैश्विक तुलना - टीकाकरण

लगाई गई कुल खुराकें (करोड़ में)

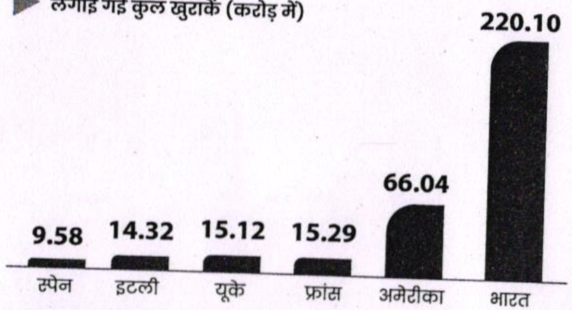

डाटा – 25 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार

पूरी तरह से टीकाकृत लाभार्थी (करोड़ में)

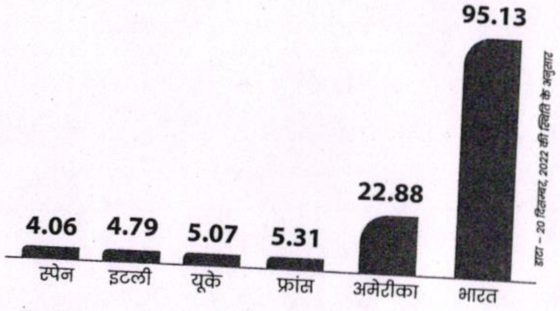

टीकाकरण की गति

जबकि अमेरिका 298 दिनों में 40 करोड़ वैक्सीन खुराक की उपलब्धि हासिल कर सका, भारत को ऐसा करने में कुल 183 दिन लगे और 100 करोड़ डोज को पूरा करने में 279 दिन लगे।

पहली डोज तुलना

102.69 करोड़ वयस्क लाभार्थियों को भारत में कम से कम पहली डोज मिली है जो संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या का 3 गुना और रूस की जनसंख्या का 7 गुना है।

दूसरी डोज तुलना

भारत में 95.06 करोड़ वयस्क लाभार्थियों का पूर्ण टीकाकरण किया गया है, जो ब्राजील की जनसंख्या का 4.4 गुना और ब्रिटेन की जनसंख्या का 14 गुना है।